वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश) : (क) से (ग) सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादनशुल्क विभाग का कोई ऐसा श्रेणी एक अधिकारी नहीं है, जो 15 वर्षों से अधिक समय तक दिल्ली में रहा हो ।

2. द्वितीय श्रेणी के निम्नलिखित अधिकारी दिल्ली में 15 वर्षों से अधिक समय से काम कर रहे हैं (इसमें द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी में की गई सेवा शामिल है) । इसमें दिल्ली स्थित कतिपय कार्यालयों के द्वितीय श्रेणी के ऐसे अधिकारी शामिल नहीं है, जिन्हें दिल्ली से बाहर स्थानान्तरित नहीं किया जा सकता ।

(क) श्री आर०एल० खन्ना : य नवंबर 1954 से हैं । इन्हें अक्तूबर 1966 में द्वितीय श्रेणी में पदोन्नत किया गया था जब वे राजस्व गुप्तचर्या निदेशालय में कार्य कर रहे थे । अगस्त, 1971 में राजस्व गुप्तचर्या निदेशालय से प्रत्यावर्तित होने पर, उन्हें जुलाई, 1973 में दिल्ली से बाहर स्थानान्तरित कर दिया जाता था । क्योंकि वे 'दिल्ली तथा चण्डीगढ़ द्वितीय श्रेणी कार्यकारी अधिकारी संस्था' के पदाधिकारी हैं, इसलिये उस संस्था की ओर से अनुरोध किया गया है कि श्री खन्ना को दिल्ली से बाहर स्थानान्तरित न किया जाये । यह अनुरोध अस्वीकार कर दिया गया है ।

(ख) श्री वाई० जी० पाटिल कुलकर्णी : ये सितंबर, 1956 से हैं । इन्हे अक्तूबर, 1966 से द्वितीय श्रेणी में पदोन्नत किया गया था । ये इस समय केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड के कर अनुसंधान एकक में बहुत महत्वपूर्ण कार्य संभाले हुए हैं । वे प्रथम श्रेणी में पदोन्नत किये जाने वाले उम्मीदवारों में से हैं और उन्हें उक्त श्रेणी में पदोन्नत किये जाने की संभावना है । तब उन्हें दिल्ली से बाहर भेजने के प्रश्न पर विचार किया जायेगा ।

3. दिल्ली में सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादनशुल्क विभाग के विभिन्न कार्यालयों में कार्य कर रहे तृतीय श्रेणी के कार्यालयी अधिकारियों को, प्रशासनिक कारणों को छोड़कर, सामान्यतया स्थानातरित नहीं किया जाता है । श्रेणी III के निम्नलिखित कार्यकारी अधिकारी 15 वर्ष से अधिक समय से दिल्ली में रहे हैं :

(1) श्री एच० आर० गुलाठी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क ।

(2) श्री आई० सी० गुप्त, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क ।

(3) श्रीमती विद्या गिडवानी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क ।

(4) श्री बी० डी० गोस्वामी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क ।

1971 और 1973 के बीच केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निरीक्षक के ग्रेड में अपनी पदोन्नति से पूर्व ये सभी चारों अधिकारी कार्यालयी ग्रेडों में कार्य कर रहे थे और इसलिये इनका स्थानान्तरण दिल्ली से बाहर नहीं किया जा सकता था । श्री गोस्वामी का स्थानान्तरण अब राजस्थान को हो गया है और उन्हें शीघ्र ही उनके कार्यभार से मुक्त किये जाने की संभावना है । श्री गुलाठी के स्थानान्तरण के प्रश्न को मई, 1974 में सामान्य स्थानान्तरणों के दौरान उठाये जाने का प्रस्ताव है । श्री गुप्त और श्रीमती गिडवानी को दयाजनक कारणों पर दिल्ली में रख लिया गया है ।

Loan advanced by Nationalised Banks in Districts of West Bengal

5796. SHRI A. K. M. ISHAQUE :
SHRI S. N. SINGH DEO :

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) the loan advanced by Branches of the nationalised banks in the Districts of West Bengal;

(b) how many applications were made, District-wise, during June, 1972 to June, 1973;

(c) whether tribal and Scheduled Caste applicants are not given any loan by the branches of nationalised banks in West Bengal; and

(d) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN): (a) to (d). The available information relating to the district wise outstanding advances of nationalised banks in the State of West Bengal as on the last Friday of December, 1972 is given below:

District	*Amount outstanding (Rs.lakhs)
1. Bankura	59
2. Birbhum	55
3. Burdwan	569
4. Calcutta	36,909
5. Cooch-Behar	25
6. Darjeeling	140
7. Hooghly	198
8. Howrah	676
9. Jalpaiguri	315
10. Malda	21
11. Midnapore	232
12. Murshidabad	66
13. Nadia	195
14. Purulia	41
15. 24-Parganas	739
16. West Dinajpur	38
TOTAL .	40.279

* Figures are provisional.

The data maintained by the commercial banks do not provide for such classification as loans to tribal and scheduled castes etc. Nor does there currently exist any system of tabulating on overall basis information in regard to the number of applications received.

Loan given by Nationalised Banks to Agriculturists of West Bengal having less than five bighas of land

5797. SHRI A. K. M. ISHAQUE:
SHRI. S. N. SINGH DEO:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether nationalised banks have given loans to agriculturists of West Bengal having less than five bighas of land during the last two years;

(b) whether loans have been given to the persons having more than five bighas of land; and

(c) the names of the banks which gave loans indicating the total amount of loan given by each of them?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRIMATI SUSHILA ROHTAGI): (a) to (c). The Nationalised banks as well as the State Bank of India have in fact been giving loans to agriculturists in West Bengal having land holdings upto 2.5 acres and above. As per provisional figures received from the Reserve Bank of India, the total outstandings of direct advances given by Nationalised banks in West Bengal to agriculturists having land holdings upto 2.5 acres were Rs. 99.11 lakhs, the number of accounts being 18343.

The total outstandings of direct advances to agriculturists given by Nationalised banks in West Bengal as at the end of March 1972 and March 1973 were as follows:—

	Rs.
March, 1972.	7.89 crores
March, 1973.	13.50 crores (Provisional)

The figures are exclusive of advances given by the State Bank of India.

Persons arrested on charges of smuggling in Calcutta

5798. SHRI A. K. M. ISHAQUE:
SHRI S. N. SINGH DEO:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state the number of persons who were arrested on charges of smuggling in Calcutta during the last 3 years but not prosecuted and the reason therefor?